हज यात्रियों के लिये ठहरने की जगह किराये पर देने से सम्बद्ध शर्तें जितना सम्भव हो सके, आसान रखें। अब मोआसासा ने कहा है कि वह मक्का में ठहरने के लिये किराये पर ली जाने वाली दो किस्म की जगहों के लिए किराये क्रमशः 1,200 सऊदी रियाल से घटाकर 1,150 सऊदी रियाल तथा 1000 सऊदी रियाल से घटाकर 9050 सऊदी रियाल कर देगा। प्रस्तावित जगह काबा के काफी पास है।

जलमार्ग से जाने वाले हज यात्री

3285. **डा० अबरार अहमद खान:** क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि.

(क) आजादी के बाद किस वर्ष में हमारे देश से सबसे अधिक संख्या में यात्री हज यात्रा के लिये जल मार्ग द्वारा सऊदी अरब गये थे तथा उस वर्ष कितने आवेदन प्राप्त हुए थे और उन हज यात्रियों की तथा जल पोतों की संख्या कितनी-कितनी थी, जिनसे वे गये थे ;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष हज यात्रा के लिये प्राप्त हुए आवेदनों की संख्या कितनी है और कितने यात्री जल पोतों से जलमार्ग द्वारा गये ;

(ग) क्या हज यात्रियों को अब तक दी जा रही विदेशी मुद्रा की राशि को बढ़ा दिया गया है, यदि हां, तो कितना और यदि नहीं तो उसके क्या कारण हैं ; और

(घ) प्रत्येक वर्ष हज यात्रा के लिये जा रहे यात्रियों की संख्या में कमी के कारण हैं, जबकि प्रत्येक हज यात्रा के लिये आवेदनों की संख्या बढ़ रही है।

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (प्रो० के० के० तिवारी) : (क) सूचना एकत्र की जा रही है।

(ख) सूचना नीचे दी गयी है :—

वर्ष	जलयात्राओं की संख्या	हज यात्रियों की संख्या	प्राप्त जहाजों की संख्या	आवेदनों की संख्या
1	2	3	4	5
1989	3	4685	31,948	1
1987	3	4682	31,744	1
1988	3	4651	25,141	1

(ग) जी, नहीं। यदि यह आवश्यक पाया गया कि प्रति हज-यात्री विदेशी मुद्रा की राशि में बढ़ोत्तरी करना जरूरी है, तो इस पर विचार किया जायेगा।

(घ) यह कहना सही नहीं है कि हज-यात्रियों की संख्या हर वर्ष घटती जा रही है। सरकार केन्द्रीय हज समिति द्वारा प्रायोजित हज-यात्रियों के कोटे का समय-समय पर बढ़ाती रही है, जिसका ब्यौरा नीचे लिखे अनुसार है :

1979	18,000
1982	21,000
1986	23,000
1989	24,000